न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर दौसा

पीठासीन अधिकारी : लोकेश कुमार मीना, आर.ए.एस.

प्रकरण संख्या : 86/2019 राजस्व अपील

1. रामफुल पुत्र श्योसहाय
2. मंगल्या पुत्र श्योसहाय
3. बाबू पुत्र श्योसहाय

जाति माली निवासी गढ तहसील सिकराय जिला दौसा।

अपीलान्ट्स

बनाम

1. राज. सरकार जरिये उप तहसीलदार उप तहसील बहरावण्डा तहसील सिकराय जिला दौसा।

रेस्पोडेन्ट

अपील विरूद्व निर्णय उप तहसीलदार उप तहसील बहरावण्डा निर्णय दिनांक 10.09.2018 प्रकरण उनवानी सरकार बनाम रामफूल वगैराह, प्रकरण सं. 86/2018 अ.धारा 91 राज. लै. रे. एक्ट

उपस्थिति : श्री निर्मल कुमार शर्मा अधिवक्ता अपीलान्ट्स उपस्थित।
: पैरोकार सरकार उपस्थित।

—: निर्णय :— दिनांकः 22.01.2020

संक्षिप्त में अपील के तथ्य इस प्रकार से है कि भूमि खसरा नम्बर 656 रकबा 0.42 हैक्टेयर किस्म चरागाह वाके रामा गढ तहसील सिकराय जिला दौसा में स्थित है। उप तहसीलदार बहरावण्डा ने अपीलान्ट्स के विरूद्ध दिनांक 10.09.2018 को भू—राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 91 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपीलान्ट्स को कब्जा शुदा आराजी से बेदखल करने एवं लगान दर 3.78 का पचास गुणा शास्ति 189/—रूपये आरोपित कर खडी फसल को कब्जे राज में लिया जाकर फसल नीलामी करने के आदेश पारित कर दिये तथा अपीलान्ट्स का पश्चातवर्ती अतिक्रमण मानते हुए अपीलान्ट्स को एक माह (30 दिन) के सिविल कारावास की सजा से दण्डित किया गया है। अधीनस्थ न्यायालय के उक्त आदेश दिनांक 10.09.2018 से व्यथित होकर अपीलान्ट्स द्वारा यह अपील पेश की गई है।

अपील पेश होने पर दर्ज रजिस्टर कर तलबी रेस्पोडेन्ट की गई व अधीनस्थ न्यायालय का अभिलेख तलब कर बहस अधिवक्ता उभयपक्ष सुनी गई।

बहस के दौरान अधिवक्ता अपीलान्ट्स ने अपील के तथ्य दोहराते हुए निवेदन किया कि अधीनस्थ न्यायालय का प्रश्नगत निर्णय विधि विरूद्ध एवं तथ्यों के विपरीत होने से निरस्तनीय है। उक्त भूमि का स्वरूप चरागाह जैसा नहीं रहा है। इस भूमि पर अपीलान्ट्स का कोई कब्जा काश्त नहीं है। अपीलान्ट्स ने किसी भी राजकीय भूमि पर अतिक्रमण नहीं किया

अति० जिला कलेक्टर
दौसा

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

है। पटवारी हल्का द्वारा झूंठी मौका रिपोर्ट पेश की है। अधीनस्थ न्यायालय ने अपीलान्ट्स द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजात एवं मौके की वास्तविक स्थिति का अवलोकन नहीं करते हुए यह निर्णय पारित किया है। अधिवक्ता अपीलान्ट्स द्वारा अपील स्वीकार फरमायी जाकर उप तहसीलदार बहरावण्डा के निर्णय दिनांक 10.09.2018 मुकदमा नम्बर 86/2018 उनवानी सरकार बनाम रामफुल वगैराह निरस्त फरमाने का निवेदन किया गया।

जवाब बहस के दौरान पैरोकार सरकार ने निवेदन किया कि अपीलान्ट्स ने संवत 2075 में ग्राम गढ तहसील सिकराय में स्थित चरागाह भूमि खसरा नम्बर 665 रकबा 0.42 है. में से 0.20 है. पर बाजरा, 0.20 है. पर तिल की काश्त कर तथा 0.02 है. पर आवास बनाकर अतिक्रमण कर लिया है। अपीलान्ट्स अतिक्रमी के विरूद्ध भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 91 के तहत कार्यवाही कर अपीलान्ट्स अतिक्रमी को अतिक्रमित आराजी से दिनांक 10.09.2018 को बेदखल कर शास्ति आरोपित करने के साथ ही एक माह (30 दिन) के सिविल कारावास की सजा से दण्डित किया गया है। अपीलान्ट्स पश्चातवर्ती अतिक्रमी है। पैरोकार सरकार द्वारा अपील अपीलान्ट्स खारिज फरमायी जाकर एवं उप तहसीलदार बहरावण्डा के निर्णय दिनांक 10.09.2018 को यथावत रखने का निवेदन किया गया।

हमने बहस अधिवक्ता उभयपक्ष पर मनन किया व पत्रावली का अवलोकन किया। पत्रावली में प्राप्त अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलान्ट्स को विधिवत नोटिस जारी कर सुनवाई, साक्ष्य, सबूत एवं जिरह का अवसर दिया जाकर ही प्रश्नगत निर्णय पारित किया गया है। अपीलान्ट्स ने संवत 2075 में ग्राम गढ तहसील सिकराय में स्थित भूमि खसरा नं. 665 रकबा 0.42 है. में से 0.20 है. पर बाजरा, 0.20 है. पर तिल की काश्त कर तथा 0.02 है. पर आवास बनाकर अतिक्रमण कर लिया है। अपीलान्ट्स पश्चातवर्ती अतिक्रमी है। ऐसी स्थिति में हम अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित प्रश्नगत निर्णय दिनांक 10.09.2018 में कोई हस्तक्षेप किया जाना उचित नही समझते है।

उपरोक्त विवेचन के आधार पर अपीलान्ट्स द्वारा प्रस्तुत अपील खारिज की जाती है। मुकदमा नम्बर 86/2018 उनवानी सरकार बनाम रामफुल वगैराह में अधीनस्थ न्यायालय उप तहसीलदार बहरावण्डा द्वारा पारित निर्णय दिनांक 10.09.2018 यथावत रखा जाता है। निर्णय की प्रति के साथ अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली लौटाई जावे। पत्रावली फैसल शुमार होकर प्रविष्ठ लेख भण्डार हो।

(लोकेश कुमार मीना)
अति0 जिला कलक्टर, दौसा

निर्णय आज दिनांक 22.01.2020 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर बाद मेरे हस्ताक्षर एवं इस न्यायालय की मुद्रा से खुले न्यायालय मे सुनाया गया ।

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

(लोकेश कुमार मीना)
अति0 जिला कलक्टर, दौसा

है। पटवारी हल्का द्वारा झूंठी मौका रिपोर्ट पेश की है। अधीनस्थ न्यायालय ने अपीलान्ट्स द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजात एवं मौके की वास्तविक स्थिति का अवलोकन नहीं करते हुए यह निर्णय पारित किया है। अधिवक्ता अपीलान्ट्स द्वारा अपील स्वीकार फरमायी जाकर उप तहसीलदार बहरावण्डा के निर्णय दिनांक 10.09.2018 मुकदमा नम्बर 86/2018 उनवानी सरकार बनाम रामफुल वगैराह निरस्त फरमाने का निवेदन किया गया।

जवाब बहस के दौरान पैरोकार सरकार ने निवेदन किया कि अपीलान्ट्स ने संवत 2075 में ग्राम गढ तहसील सिकराय में स्थित चरागाह भूमि खसरा नम्बर 665 रकबा 0.42 है. में से 0.20 है. पर बाजरा, 0.20 है. पर तिल की काश्त कर तथा 0.02 है. पर आवास बनाकर अतिक्रमण कर लिया है। अपीलान्ट्स अतिक्रमी के विरूद्ध भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 91 के तहत कार्यवाही कर अपीलान्ट्स अतिकमी को अतिकमित आराजी से दिनांक 10.09.2018 को बेदखल कर शास्ति आरोपित करने के साथ ही एक माह (30 दिन) के सिविल कारावास की सजा से दण्डित किया गया है। अपीलान्ट्स पश्चातवर्ती अतिक्रमी है। पैरोकार सरकार द्वारा अपील अपीलान्ट्स खारिज फरमायी जाकर एवं उप तहसीलदार बहरावण्डा के निर्णय दिनांक 10.09.2018 को यथावत रखने का निवेदन किया गया।

हमने बहस अधिवक्ता उभयपक्ष पर मनन किया व पत्रावली का अवलोकन किया। पत्रावली में प्राप्त अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलान्ट्स को विधिवत नोटिस जारी कर सुनवाई, साक्ष्य, सबूत एवं जिरह का अवसर दिया जाकर ही प्रश्नगत निर्णय पारित किया गया है। अपीलान्ट्स ने संवत 2075 में ग्राम गढ तहसील सिकराय में स्थित भूमि खसरा नं. 665 रकबा 0.42 है. में से 0.20 है. पर बाजरा, 0.20 है. पर तिल की काश्त कर तथा 0.02 है. पर आवास बनाकर अतिक्रमण कर लिया है। अपीलान्ट्स पश्चातवर्ती अतिक्रमी है। ऐसी स्थिति में हम अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित प्रश्नगत निर्णय दिनांक 10.09.2018 में कोई हस्तक्षेप किया जाना उचित नही समझते है।

उपरोक्त विवेचन के आधार पर अपीलान्ट्स द्वारा प्रस्तुत अपील खारिज की जाती है। मुकदमा नम्बर 86/2018 उनवानी सरकार बनाम रामफुल वगैराह में अधीनस्थ न्यायालय उप तहसीलदार बहरावण्डा द्वारा पारित निर्णय दिनांक 10.09.2018 यथावत रखा जाता है। निर्णय की प्रति के साथ अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली लौटाई जावे। पत्रावली फैसल शुमार होकर प्रविष्ठ लेख भण्डार हो।

(लोकेश कुमार मीना)
अति0 जिला कलक्टर, दौसा

निर्णय आज दिनांक 22.01.2020 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर बाद मेरे हस्ताक्षर एवं इस न्यायालय की मुद्रा से खुले न्यायालय मे सुनाया गया ।

(लोकेश कुमार मीना)
अति0 जिला कलक्टर, दौसा